भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1449 का उत्तर

औरंगाबाद-बिहटा रेल लाइन

1449. श्री राजा राम सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार के समक्ष समय-समय पर उठाई गई लोगों की मांगों के संबंध में काराकाट और आस-पास के क्षेत्र में लंबित परियोजनाओं की स्थिति क्या है;

(ख) औरंगाबाद-बिहटा रेल लाइन परियोजना के निर्माण की स्थिति क्या है तथा परियोजना के पूरा होने की प्रत्याशित लक्ष्य तिथि क्या है;

(ग) डालमियानगर डेहरी रेल फैक्ट्री, जो लोगों की प्रमुख मांग है, की वर्तमान निर्माण स्थिति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) डेहरी रेल पुल निर्माण की स्थिति क्या है और यह कब तक प्रचालनशील हो जाएगा?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

S.K

औरंगाबाद-बिहटा रेल लाइन के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्री राजा राम सिंह के अतारांकित प्रश्न सं. 1449 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख) रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार, चूंकि, रेल परियोजनाएं राज्य/निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्द्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, काराकाट क्षेत्र सहित बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 79,356 करोड़ रुपए लागत की कुल 5,064 कि.मी. लंबाई वाली 55 परियोजनाएं (31 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिसमें से 1,194 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 26,983 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। ब्यौरा निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी.) में	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	31	2712	464	13629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1520
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	22	2005	442	11834
कुल	55	5064	1194	26983

S.K

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का ज़ोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1132 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	10,033 करोड़ रुपए (लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग /बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी.
2023-24	361 कि.मी.	361 कि.मी. (5 गुना से अधिक)

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए बिहटा-औरंगाबाद (120 कि.मी.) नई लाइन परियोजना के अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृत कर दिया गया है।

इसी बीच अनुग्रह नारायण रोड से औरंगाबाद (12.90 कि.मी.) नई लाइन जो बिहटा-औरंगाबाद नई लाइन का भाग है, को हाल ही में 440.59 करोड़ रुपए की लागत पर स्वीकृत किया गया है।

S.K

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृतियां, लागत में भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत हिस्से को जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भू-विज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना/परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

(ग): भारतीय रेल में चल स्टॉक विनिर्माण/अनुरक्षण अवसंरचना का सृजन/उन्नयन सतत् प्रक्रिया है और परिचालनिक, यातायात आवश्यकताओं आदि पर आधारित है।

(घ): मानपुर-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच कि.मी. 55/27-29 पर ऊपरी सड़क पुल संख्या 33 पर उल्लिखित स्थान है। ऊपरी सड़क पुल के आवधिक निरीक्षण के दौरान, गर्डर की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई थी। तदनुसार, इस गर्डर को बदलने का कार्य स्वीकृत किया गया है।

*****

S.K